शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापूर

एम.ए. भाग – 1 (हिंदी)

जून 2010 से

अनिवार्य बीज पत्र – 1

आधुनिक गद्‌य साहित्य

ंकुल अंक – 100

प्रस्तावना –

आधुनिक काल में गद्‌य साहित्य को अभूतपूर्व विकास हुआ है। यह मानव – मन और मस्तिष्क की अभिव्यक्ति का सशक्त एवं अनिवार्य माध्यम बन गया है। मनुष्य का राग – विराग , तर्क–वितर्क तथा चिंतन–मनन जिस रागात्मकता के साथ कौशलपूर्ण ढंग से गद्‌य में अभिव्यंजित होता है वैसा अन्य साहित्यांग में नहीं। आधुनिक काल में गद्‌य के विविध रूपों का विकास इस तथ्य का साक्षी है कि प्रौढ मन–मस्तिष्क की पूर्ण अभिव्यक्ति गद्‌य में ही संभव है। निबंध गद्‌य का प्रौढ–शक्तिशाली प्रतिरूप, उसकी वैयक्तिक एवं स्वतंत्र चेतना का विश्वसनीय प्रतिनिधि है। नाटक, उपन्यास, कहानी तथा गद्य के अन्य अंगो को प्रकृति, परिवेश , परिस्थिति तथा चिंतन की विकास – प्रक्रिया के साथ सहज प्रामाणिक रूप में जानना संभव है। अतः इनका अध्ययन अनिवार्य है।

पाठ्‌यपुस्तकें :

1. लहरोंके राजहंस –मोहन राकेश,
2. शेखर एक जीवनी (भाग–1,2)– अज्ञेय
3. गबन – प्रेमचंद
4. आठ एकांकी –सं. देवेद्र राज अंकुर, महेश आनंद
5. मेरी प्रिय कहानियॉं – कमलेश्वर
6. जुठन – ओमप्रकाश वाल्मीकि

द्रुतपाठ–

*नाटककार– भारतेंदु जयशंकर प्रसाद, विष्णु प्रभाकर, शंकर शेष, सुरेंद्र वर्मा

*उपन्यासकार– यशपाल, निर्मल वर्मा, कमलेश्वर, मैत्रेयी पुष्पा, संजीव

*रेखाचित्रकार – महादेवी वर्मा, रामवृक्ष बेनीपुरी, कमलेश पदुमलाल पन्नालाल बक्शी, गोविंद मिश्र

*कहानीकार – जैनेंद्र राजेंद्र यादव, अब्दुल बिस्मिल्ला, अजगर वजाहत, अलका सरावली

स्फुट ग्रंथ–

1. चिडोंपर चांदनी – निर्मल वर्मा
2. धर्म क्षेत्रे युद्ध क्षेत्रे – धर्मवरी भारती
3 एक कहानी यह भी – मन्नू भंडारी
4. आवारा मसीहा – विष्णू प्रभाकर

संदर्भ ग्रंथ सूची

1.	मोहन राकेश और उनके नाटक –	डॉ.पट्टणशेट्टी
2.	मोहन राकेश के नाटकों में नारी भावन–	डॉ.रमा शुक्ला
3.	'गबन' एक अध्ययन –	प्रेमनारायण टंडन
4.	भारतेंदु के संपूर्ण नाटक–	सं. डॉ. गोविंद चातक
5.	शंकर शेष का रचना संसार –	डॉ.एस.एन. जाधव
6.	नाटककार सुरेंद्र वर्मा –	डॉ.अशोक एस. पटेल
7.	सुरेंद्र वर्मा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व –	डॉ.भानुभाई रोहित
8.	यशपाल के उपन्यासों में नारी जीवन की समस्याएँ –	डॉ.योगेश सुरी
9.	महादेवी वर्मा का गद्य साहित्य –	डॉ.मानवेशदास
10.	महादेवी साहित्य का अभिनव मूल्यांकन –	सं.असीम मधुपुरी
11.	महादेवी वर्मा के रेखाचित्र–	डॉ.मक्खनलाल शर्मा
12.	रामवृक्ष बेनीपुरी के रेखाचित्र –	एक अध्ययन – डॉ.रश्मि चतुर्वेदी
13.	रामवृक्ष बेनीपुरी और उनका साहित्य –	डॉ.गजानन चव्हाण
14.	लेखक समीक्षा–	श्यामलाकांत वर्मा
15.	राजेंद्र यादव : कथा साहित्य के विविध आयाम–	डॉ.माधवी लोणी
16.	मन्नू भंडारी के कथा साहित्य में स्त्री –	डॉ.इशरत जहाँ
17.	प्रसाद के नाटक –	सिद्धनाथ कुमार
18.	प्रसाद का नाटय साहित्य :	परंपरा और प्रयोग –डॉ.हरिंद्र प्रतिष्ठान
19.	नाटककार शंकर शेष –	डॉ.सुनीलकुमार लवटे
20.	हिंदी उपन्यास :	उद्भव और विकास– डॉ.सुरेश सिन्हा
21.	'हिंदी यात्रा –साहित्य परिवेश एवं परिप्रेक्षा' –	डॉ.प्रकाश मोकाशी

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न – 1	पूरे पाठ्क्रम पर बीस वस्तुनिष्ठ प्रश्न	20
प्रश्न – 2	संदर्भसहित व्याख्या : (पाँच में से तीन)	
	(पाठ्यक्रम में से निर्दिष्ट लहरोंके राजहंस, शेखर एक जीवनी, गबन पर)	30
प्रश्न – 3	आलोचनात्मक प्रश्न : अंतर्गत विकल्प के साथ (सभी पाठ्यपुस्तकों पर)	15
प्रश्न – 4	आलोचनात्मक प्रश्न : अंतर्गत विकल्प के साथ (सभी पाठ्यपुस्तकों पर)	15
प्रश्न – 5	लघूत्तरी प्रश्न : (छः में से चार) (द्रुतपाठ एवं स्फुटग्रंथ पर)	20

एम.ए. भाग – 1 (हिंदी)

अनिवार्य बीजपत्र – 2

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

कुल अंक – 100

प्रस्तावना –

साहित्य आद्यंत एक भाषिक निर्मिति है। साहित्य के गंभीर अध्ययन के लिए भाषिक व्यवस्था का सुस्पष्ट सर्वांगीण ज्ञान अपरिहार्य है। भाषा विज्ञान भाषा की वसतुनिष्ठ अध्ययन प्रणाली के रूप में भाषिक इकाइयों तथा भाषा संरचना के विभिन्न स्तरों पर उनके अंतर संबंधों के विन्यास को आलोकित कर न केवल अध्येता को भाषिक अंतदृष्टि देता है अपितु भाषा–विषयक विवेचन के लिए एक निरूपक भाषा भी प्रदान करता है। कहने की आवश्यकता नहीं कि भाषा के साहित्येतर प्रयोजनमूलक, रूपों के अध्ययन में भी भाषा वैज्ञानिक चिंतन का लाभ उतना ही महत्त्वपूर्ण है। इसलिए हिंदी भाषा का भाषावैज्ञानिक अध्ययन अनिवार्य है।

		[क] भाषाविज्ञान
1.	भाषा और भाषा विज्ञान :–	
	●	भाषा – भाषा की परिभाषा, भाषा के अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना, भाषिक प्रकार्य।
	●	भाषा विज्ञान – भाषा विज्ञान का स्वरूप और परिभाषा, भाषा विज्ञान के अध्ययन

		की दिशाएँ– वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक।
2.	स्वन प्रक्रिया और स्वनिम विज्ञान : (ध्वनि विज्ञान और ध्वनिग्राम विज्ञान)	
	●	स्वन प्रक्रिया – स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वागवयव और उसके कार्य, स्वन की अवधारणा, (ध्वनि की परिभाषा) स्वनों का वर्गीकरण, स्वन गुण, स्वन परिवर्तन के कारण।
	●	स्वनिम विज्ञान –(ध्वनिग्राम विज्ञान) स्वनिम की परिभाषा, स्वनिम विज्ञान का स्वरूप , स्वनिम के भेद, स्वनिमिक विश्लेषण।
3.	रूप प्रक्रिया एवं रूपिम विज्ञान :–	
	●	रूप प्रक्रिया – रूप प्रक्रिया का स्वरूप, रूप प्रक्रिया की शाखाएँ, (रूपप्रक्रिया – पदरचना पध्दतियाँ, Morphological Process पदग्रामीय पध्दतियाँ अथवा संबंध तत्व के प्रकार) रूप परिवर्तन के कारण और रूपपरिर्वतन की दिशाएँ।
	●	रूपिम विज्ञान – (रूपग्राम विज्ञान –Morphemics)रूपिम की अवधारणा, (रूपिम की परिभाषा) रूपिम के भेद ।
4.	वाक्य विज्ञान – वाक्य की अवधारणा, (वाक्य की परिभाषा)वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण।	
5.	अर्थ विज्ञान – अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थपरिवर्तन के कारण और अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ।	

[ख] हिंदी भाषा		
1.	हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :–	
	●	प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ – वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ।
	●	मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ – पालि, प्राकृत (शौरसेनी अर्धमागधी,मागधी) अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ।
	●	आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण।
2.	हिंदी का भौगोलिक विस्तारः–	
	●	हिंदी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाडी और उनकी बोलियाँ ; खडीबोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।
3.	हिंदी का भाषिक स्वरूप :–	
	●	उपसर्ग – उपसर्ग का स्वरूप और परिभाषा, उपसर्ग के प्रकार– तत्सम उपसर्ग, तद्भव उपसर्ग और विदेशी उपसर्गो का सोदाहरण विवेचन ।

	●	प्रत्यय – प्रत्यय का स्वरूप और परिभाषा, हिंदी प्रत्यय–तत्सम प्रत्यय, तद्‌भव प्रत्यय, देशज प्रत्यय, विदेशी प्रत्यय विविध प्रत्ययों का सोदाहरण विवेचन ।
	●	लिंग– हिंदी के लिंग विधान का सामान्य परिचय, हिंदी में लिंग परिवर्तन के नियम ।
	●	वचन – हिंदी की वचन व्यवस्था का सामान्य परिचय ।
	●	कारक – परिभाषा, कारको का प्रयोगात्मक स्वरूप ।
4.	देवनागरी लिपि : देवनागरी लिपि का विकास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता ।	
5.	हिंदी के संगणक (कम्प्युटर) सुविधा एँ :–	
	●	संसाधन – आँकडा संसाधन और शब्द संसाधन, मशीनी अनुवाद ।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1.	भाषा विज्ञान –	डॉ. भोलानाथ तिवारी
2.	आधुनिक भाषा विज्ञान –	डॉ. भोलानाथ तिवारी
3.	भाषा विज्ञान की भूमिका –	डॉ. देवेद्रनाथ शर्मा
4.	भाषा एवं हिंदी भाषा –	डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय
5.	हिंदी भाषा का इतिहास –	डॉ.धीरेंद्र वर्मा
6.	हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास –	डॉ. उदयनारायण तिवारी
7.	नागरी लिपि और उसकी विशेषताएँ –	डॉ. नरेश मिश्र
8.	हिंदी भाषा की लिपि संरचना –	डॉ. भोलानाथ तिवारी
9.	भाषा विज्ञान – सिध्दांत और प्रयोग –	डॉ. अंबाप्रसाद सुमन
10.	भाषा विज्ञान –	मनमोहन गौतम
11.	भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र –	डॉ. कपिलदेव त्रिवेदी
12.	भाषिक हिंदी भाषा तथा भाषा– शिक्षण –	डॉ. अंबादास देशमुख
13.	भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम एवं हिंदी भाषा –	डॉ. अंबादास देशमुख
14.	भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा –	डॉ.सुधाकर फलावडे
15.	भाषा विज्ञान के सिध्दंता और हिंदी भाषा–	डॉ.द्वारिका प्रसाद सक्सेना
16.	हिंदी भाषा और भाषा विज्ञान –	डॉ.अशोक के. शाह प्रतीक प्रथम संस्करण–2008
17.	भाषा और भाषा विज्ञान –	त्जपाल चौधरी
18.	भाषा और एवं हिंदी भाषा –	डॉ.हणमंतराव पाटील

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

कुल अंक – 100

पश्न 1.	बीस वस्तुनिष्ठ प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित)	20
प्रश्न 2.	आलोचनात्मक प्रश्न – अंतर्गत विकल्प के साथ ('क' विभाग के अंतर्गत भाषा और भाषा विज्ञान पर)	15
प्रश्न 3.	आलोचनात्मक प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ 'क' विभाग पर)	15
प्रश्न 4.	आलोचनात्मक प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ 'ख' विभाग पर)	15
प्रश्न 5.	आलोचनात्मक प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ 'ख' विभाग पर)	15
प्रश्न 6.	लघूत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (6 में से 4)	20

एम.ए. भाग –1

अनिवार्य बीज पत्र –3

प्रयोजनमूलक हिंदी

कुल अंक –100

प्रस्तावना –

भाषा मानव जीवन की अनिवार्य सामाजिक वस्तु और व्यावहारिक चेतना है जिसके दो मुख्य आयाम या प्रकार्य हैं– सौन्दर्यपरक और प्रयोजनपरक। भाषा के प्रयोजनपरक आयाम का संबंध हमारी सामाजिक आवश्यकताओं और जीवन–व्यवहार से है और व्यक्तिपरक होकर भी जो समाज–सापेक्ष सेवा माध्यम (सर्विस टूल्स) के रूप में प्रयुक्त होती है। उत्तरआधुनिक काल में जीवन और समाज की विभिन्न आवश्यकताओं और दायित्वों की पूर्ति के लिए विभिन्न व्यवहार क्षेत्रों में उपयोग की जाने वाली प्रयोजनमूलक हिंदी का अध्ययन अति अपेक्षित है। इसके विविध आयामों से न केवल रोजगार या जीविका की समस्या हल होगी अपितु राष्ट्रभाषा तथा राजभाषा का संस्कार भी दृढ़ होगा।

पाठ्यविषय–		
खण्ड(क)	कामकाजी हिंदी : सामान्य स्वरूप	
	1.	हिंदी के विभिन्न रूप : मातृभाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा संपर्क भाषा, संचार भाषा, सर्जनात्मक भाषा, माध्यम भाषा का अध्ययन
	2.	कार्यालयी हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख कार्य, प्रारूपण, टिप्पण, पल्लवन, संक्षेपण,
	3.	पारिभाषिक शब्दावली : स्वरूप, महत्त्व एवं निर्माण में आनेवाली समास्याएँ
	4.	ज्ञान–विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली (150)तथा वाक्यांश (100) का अध्ययन (परिशिष्ट में निर्धारित)

खण्ड(ख)	संगणकीय हिंदी :सामान्य स्वरूप		
	1.	संगणक : परिचय एवं उपयोग	
	2.	इंटरनेट : उपकरणों का परिचय, प्रयोग विधि,	
	3.	वेब पब्लिशिंग : परिचय एवं महत्त्व	
	4.	लिंक, ब्राउजिंग, ई–मेल प्रेषण एवं प्राप्ति, हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउन लोडिंग एवं अप लोडिंग, हिंदी सॉफ्टवेअर	
खण्ड(ग)	जनसंचारीय हिंदी : सामान्य स्वरूप		
	1.	मुद्रित माध्यम : मुद्रित भाषा की प्रकृति, समाचार पत्र में समाचार लेखन, संपादन, शीर्षक रचना, पृष्ठ सज्जा, साक्षात्कार लेखन, वार्तालाप लेखन, विज्ञापन लेखन कला।	
	2.	इलेक्ट्रॉनिक माध्यम :	
		(अ)	श्रव्य माध्यम (रेडियो) : मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन लेखन, फीचर एवं रिपोर्ताज।
		(ब)	दृश्य–श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविजन एवं वीडियो) दृक माध्यमों में भाषा की प्रकृति, पार्श्ववाचन(वायसओवर), पटकथा लेखन, टेली ड्रामा, संवाद लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतर, विज्ञापन लेखन।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1.	कार्यालयी कार्यबोध : हरिबंसल –	प्रभात प्रकाशन, 205, चावडी बाजार,दिल्ली – 110006
2.	प्रारूपण, टिप्पण, प्रूफ पठन –	डॉ. भोलानाथ तिवारी एवं डॉ. विजय कुलश्रेष्ठ, वाणी प्रकाशन, 21–ए, दरियागंज , नई दिल्ली – 110002
3.	मीडिया कालीन हिंदी –	स्वरूप एवं संभावनाएँ : डॉ. अर्जुन चव्हाण, राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली.
4.	प्रशासनिक एवं कार्यालयी हिंदी –	डॉ. राम प्रकाश एवं डॉ. दिनेशकुमार गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली.
5.	प्रयोजनमूलक हिंदी विविध परिदृश्य –	डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी – अलका प्रकाशन,128/106, जी.
6.	व्यावहारिक राजभाषा –	आलोककुमार रस्तोगी – जीवनज्योति प्रकाशन

		दिल्ली.
7.	कंप्युटर : क्या, क्यों, कैसे ? –	रामबंसल विज्ञाचार्य – वाणी प्रकाशन, 21–ए, दरियागंज, नई दिल्ली – 110002.
8.	कंप्युटर : सूचना प्रणाली विकास : रामबंसल 'विज्ञाचार्य' –	वाणी प्रकाशन, 21–ए, दरियागंज, नई दिल्ली – 110002.
9.	कंप्युटर के भाषिक अनुप्रयोग : विजयकुमार मल्होत्रा –	वाणी प्रकाशन, 21–ए, दरियागंज, नई दिल्ली – 110002.
10.	Principals and Ethics of Journalism -	Dr. Jan R. Hak, Emulder & Others - Anmol Publications Pvt. Ltd., 4374\4-B, Ansari Road Dariyaganj, New Delhi - 11002.
11.	Journalism Made Simple : David Wainwright -	Rupa and co., Henemmann, London (U.K)
12.	The Electronic Media % Edt. Aravind Kumar -	Anmol Publications Pvt. Ltd., 4374\4-B, Ansari Road Dariyaganj, New Delhi - 11002.
13.	Redio and T.V. Journalism : K.M. Surivastav -	Sterling Publicaton PVt. Ltd., L- 10, Green Park Extention, New Delhi - 11001
14.	नये जनसंचार माध्यम और हिंदी –	संध सुधीश पचौरी, अचला शर्मा.
15.	जनसंचार : विविध आयाम –	ब्रजमोहन गुप्त
16.	प्रयोजनमूलक हिंदी प्रासंगिकता एवं परिदृश्य –	डॉ. नागलक्ष्मी
17.	प्रयोजनमूलक हिंदी –	अनुनातन आयाम – डॉ.अम्बादास देशमुख
18.	हिंदी पत्रकरिता स्वरूप और संदर्भ	डॉ.विनय गोदरे वाणी प्रकाशन

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न 1.	बीस वस्तुनिष्ठ प्रश्न (शब्दांश एवं वाक्यांश पर आधारित)	20
प्रश्न 2.	खंड 'क' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	15
प्रश्न 3.	खंड 'ख' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	15
प्रश्न 4.	खंड 'ग' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न मुद्रित माध्यम पर अंतर्गत विकल्प के साथ	15
प्रश्न 5.	खंड 'ग' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न इलेक्ट्रॉनिक माध्यम पर अंतर्गत विकल्प के साथ	15
प्रश्न 6.	लघूत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर 6 में से 4)	
	कुल अंक –	100

एम. ए. भाग – 1
वैकल्पिक प्रश्नपत्र – 4
व्यावसायिक वर्ग
पत्रकारिता प्रशिक्षण

प्रस्तावना –

पत्रकारित आज जीवन – की धड़कन बन गई है। सिमटते विश्व में स्नायु – तंतुओं के समान काम कर रही है। दैनिक समाचार पत्र से लेकर साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक,त्रैमासिक, वार्षिक, पत्रिकाओं, प्रिंट मीडिया, इलैक्ट्रॉनिक मीडिया, इंटरनेट आदि मे इसका विकसित स्वरूप देखा जा सकता है। इसके बिना आज आदमी का रहना कठिन है। साहित्यिकता के साथ – साथ रोजगारपरकाता की आकांक्षा की पूर्ति भी इससे होती है। पुनर्जागरण, स्वतंत्रता, समता, बंधुत्व नारी तथा दलित जागरण में इसकी क्रांतिकारी भूमिका रही है। अतः इसका अध्ययन आज की अनिवार्यता है।

पाठ्यविषय –

(क)	हिंदी पत्रकारिता–	
	●	पत्रकारिता का स्वरूप और प्रकार ।
	●	पत्रकारिता का आरंभ : विश्व तथा भारत के संदर्भ में ।
	●	हिंदी पत्रकरिता का उद्भव और विकास
	●	समाचार पत्रिका के मूल तत्त्व – समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम ।
	●	संपादन कला के सामान्य सिद्धांत – शीर्षकीकरण, पृष्ठ–विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की व्यवस्था तथा फोटो पत्रकरिता ।
	●	समाचार के विविध स्त्रोत ।
(ख)	प्रत्रकारिता का प्रबंधन –	
	●	संचार माध्यम : भेद – विभेदन ।
	●	पत्रकारिता से संबंधित लेखन – संपाादकीय फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, विज्ञापन, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फालोअप) आदि की प्रविधि।
	●	इलेक्ट्रॉनिक मिडिया : रेडियो, टी. वी. केबल, मल्टी मिडिया और इंटरनेट की पत्रकारिता।
	●	प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रणकला, प्रुफ शोधन, ले आउट, पृष्ठ सज्जा।
	●	संपादक एवं संवाददाता की योग्यता, क्षेणी एवं कार्य पद्धति ।

	●	पत्रकारिता का प्रबंधन – प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था।
(ग)	सूचनाधिकार और पत्रकारिता	
	●	भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार सूचनाधिकार एवं मानवाधिकार ।
	●	मूक्त प्रेस की अवधारणा ।
	●	प्रसार भारती तथा सूचना पौद्योगिकी ।
	●	प्रेस संबंधी कानून तथा आचार संहिता ।
	●	प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तंभ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1.	पत्रकारिता : इतिहास और पश्न –	कृष्ण बिहारी मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
2.	हिंदी पत्रकारिता का बृहद इतिहास –	अर्जुन तिवारी , वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
3.	पत्रकारिता के नए परिप्रेक्ष्य –	राजकिशोर , वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
4.	समकालीन पत्रकारिता मूल्यांन और मुद्दे–	राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
5.	हिंदी पत्रकारिता स्वरूप और संदर्भ	डॉ. विनोद गोदरे, वाणी पकाशन,दिल्ली ।
6.	हिंदी पत्रकारिता और जनसंचार –	डॉ. ठाकुरदत्त आलोक, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7.	पत्रकारिता संदर्भ कोश –	डॉ. सुधींद्रकुमार, डॉ. रामप्रकाश , वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
8.	अग्रलेख –	घनश्याम पंकज, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
9.	पत्रकारिता के परिप्रेक्ष्य –	राजकिशोर , साहित्य सहकार इ. –10/4 , कृष्ण नगर, दिल्ली –51
10.	समाचार फीचर लेखन एवं संपादन लेखन कला –	डॉ. हरिमोहन तक्षशीला प्रकाशन 23/4761 अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली ।
11.	हिंदी पत्रकारिता और कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर – ।	डॉ. विश्वास पाटिल , साहित्य निलय 39,बौध्द नगर, नोबास्ता कानपुर–21
12.	हिंदी की सर्वोदय पत्रकारिता –	डॉ . मृदुला गर्ग, विद्या प्रकाशन , 125/64 के.ए. टी.सी. गोविंद नगर कानपुर – 6
13.	पत्रकारिता की विभिन्न धाराएँ –	डॉ . निशांत सिंह , राधा पब्लिकेशन ,

		4378/48,अंसारी रोड, दरियागंज , नई दिल्ली।
14.	समाचार एवं प्रारूप लेखन –	डॉ. रामप्रकाश , डॉ. दिनेश कुमार गुप्त , राधाकृष्ण प्रकाशन , दिल्ली।
15.	पत्रकारिता का विकास –	एन. सी. पंत , राधा पब्लिकेशन नई दिल्ली – 2
16.	प्रसार भारती और प्रसार नीति –	सुधिश पचौरी, वाणी प्रकाशन दिल्ली ।
17.	संपादन , पृष्ठ सज्जा और मुद्रण –	प्रो. रमेश जैन।
18.	आधुनिक समाचार प्रबंधन –	अनिल किशोर पुरोहित ।
19	समाचार पत्रों की भाषा –	डॉ. माणिक मृगेश
20.	व्यावसायिक पत्रकारिता –	प्रो. रमेश जैन
21.	जनसंचार एवं पत्रकारिता –	प्रो. रमेश जैन

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

कुल अंक – 100

प्रश्न 1. बीस वस्तुनिष्ठ प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित) 20

पश्न 2. विभाग 'क' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 15

पश्न 3. विभाग 'ख' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 15

पश्न 4. विभाग 'ख' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 15

पश्न 5. विभाग 'ग' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 15

प्रश्न 5. लघूत्तरी पश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)(6 मेंसे 4) 20

एम.ए. भाग – 1

वैकल्पिक प्रश्नपत्र – 4

व्यावसायिक वर्ग

दृश्य –श्रव्य माध्यम लेखन

कुल अंक 100

प्रस्तावना–

सूचना पौद्योगिकी के इस युग में इलैक्ट्रॉनिक मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो गयी है। हिंदी भाषा और साहित्य का इन माध्यमों में अधिकाधिक स्तरीय प्रयोग तभी हो सकता है जब इन दृश्य–श्रव्य माध्यमों से संबंधित विधाओं का व्यवस्थित प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया जाए। यह पाठ्यक्रम अत्यंत रोजगारपरक है।

पाठ्यविषय–

- दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन का स्वरूप
- दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन के प्रमुख प्रकार
- हिंदी माध्यम लेखन का संक्षिप्त इतिहास
- रेडियो नाटक की प्रविधि
- रंग नाटक, पाठ्य नाटक और रेडियो नाटक का अंतर
- रेडियो नाटक के प्रमुख भेद – रेडियो, धारावाहिक, रेडियो फैंटेंसी, संगीत रूपक, आलेख रूपक (डाक्यूमेंट्री फीचर)
- टी. वी. नाटक की तकनिक। टेली ड्रामा तथा टी. वी. धारावाहिक में साम्य–वैषम्य। संचार माध्यम के रूप।
- साहित्यिक विधाओं की दृश्य–काव्य रूपांतरण कला/इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन–संपादन और प्रस्तुतीकरण की प्रविधि।
- संचार माध्यमों द्वारा प्रसारित विज्ञापनों की भाषा
- विज्ञापन फिल्मों की प्रविधि
- संचार माध्यमों की भाषा
- हिंदी के समक्ष आधुनिक जनसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी की चुनौतियाँ

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. नये जनसंचार माध्यम और हिंदी – सं. सुधीश पचौरी, अचला शर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली.
2. मीडिया और बाजारवाद – रामशरण जोशी – राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली.
3. मीडिया जनतंत्र और आतंकवाद – सं. सुधीश पचौरी, राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली.
4. टेलीविजन लेखन – असगर वजाहत, प्रभात रंजन, राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली.
5. जनसंचार : विविध आयाम – ब्रजमोहन गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली.
6. रेडियो नाटक की कला – डॉ. सिद्धनाथ कुमार – राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली.
7. रेडियो वार्ता शिल्प – डॉ. सिद्धनाथ कुमार – राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली.
8. आधुनिक विज्ञापन – प्रेमचंद पातंजलि – वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली.
9. संचार माध्यमों में हिंदी का प्रयोग – डॉ. लक्ष्मीकांत पांडे, साहित्य रत्नालय, 37/50, गिलिक्ष बाजार, कानपुर.
10. प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रासंगिक एवं परिदृश्य – डॉ. सु. नागलक्ष्मी – जवाहर पुस्तकालय, मथुरा.

प्रश्न पत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

कुल अंक – 100

1. बीस वस्तुनिष्ठ प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) 20
2. आलोचनात्मक प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ पूरे पाठ्यक्रम पर) 15
3. आलोचनात्मक प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ पूरे पाठ्यक्रम पर) 15
4. आलोचनात्मक प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ पूरे पाठ्यक्रम पर) 15
5. लघूत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर 6 में से 4) 20
6. प्रायोगिक कार्य (माध्यम उपयोगी लेखन) 15

एम. ए. भाग – 1

वैकल्पिक प्रश्नपत्र –4

साहित्यिक वर्ग

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

कुल अंक –100

उद्देश्य :	1.	प्राचीन तथा मध्ययुगीन कवियों एवं उनकी काव्यकृतियों से परिचित कराना ।
	2.	युगीन परिवेश तथा काव्यकृतियों से परिचित कराना ।
	3.	प्राचीन तथा मध्ययुगीन प्रमुख कवियों की काव्यकृतियों का सुक्ष्म अध्ययन कराना ।
	4.	पठित कवि तथा उनकी काव्यकृतियों के वर्तमान कालीन महत्व से परिचित कराना ।
	5.	छात्रों को मध्ययुगीन कवियों एवं उनकी काव्यकृतियों से परिचित कराना ।
	6.	युगीन परिवेश तथा काव्यकृतियों का सुक्ष्म अध्ययन कराना ।
	7.	मध्ययुगीन प्रमुख कवियों की काव्यकृतियों का सुक्ष्म अध्ययन कराना ।
	8.	वर्तमान काल में पठित कवि तथा उनकी काव्यकृतियों के महत्व से परिचित कराना ।

(क)1.	पाठ्यपुस्तक : 'पदावली' – विद्यापति,

	संपा.रामवृक्ष बेनीपुरी, पुस्तक भंडार, पटणा,	
	संदर्भ के लिए पद :—	
	नख — शिख	10, 14, 15, 16, 17, 21 = 6 पद
	नोंक झोंक	58, 59, 60, 61 = 4 पद
	वसंत के पद	176, 178, 182, 183, 185, = 5 पद
2.	पाठ्यपुस्तक : कबीर ग्रंथावली — कबीर	
	संपा.श्यामसुंदर दास— साखियाँ	
	संदर्भ के लिए पद :—	
	गुरूदेव कौ अंग	1, 2, 3, 4, 5, 7, 9, 12,13,16, 17, 18, 21, 26, 32 = 15 साखियाँ
	सुमिरण कौ अंग	1, 2, 3, 6,8,10,12,14,15, 16, 18, 19, 21, 26, 33 = 15 साखियाँ
	बिरह कौ अंग	1, 3, 7,9,10,13,15, 17, 19, 21 = 10 साखियाँ
	माया कौ अंग	1, 3, 4, 5, 6, 8, 9,10, 12,13 = 10 साखियाँ
3.	पाठ्यपुस्तक : पद्मावत — जायसी	
	संपा. आ. रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचरिणी सभा ।	
	'नागमति वियोग खंड'	संदर्भ के लिए संपूर्ण खंड— 19 पद
4.	पाठ्यपुस्तक : भ्रमरगीतसार — सुरदास	
	संपा.रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।	
	संदर्भ के लिए पद :— 1,5,7,9,11,13,16,22,26,34,38,42,51,57,64,73,83,90,98, 105,115, 131,138,143,157,171,196,200,280,316 = 30 पद	
5.	पाठ्यपुस्तक : रामचरितमानस—तुलसीदास	
	'उत्तरकाण्ड'—गीता प्रेस, गोरखपर ।	
	संदर्भ के लिए पद :— 2,10,20,22,25,31,38,42,46,58,76,103,116,126,128 = 15पद	
6,	पाठ्यपुस्तक : रीतिकाव्यधारा — भूषण	
	संपा.डॉ.रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन चौक, वाराणसी ।	
	रायगड वर्णन	
	शिवाजी प्रशस्ति	
	स्फुट	

(ख)	दुतपाठ—सरहपाद, गोरखनाथ, चंदबरदाई, अमीर खुसरो, रैदास, मीराबाई, नंददास, रसखान, बिहारी घनानंद ।	

संदर्भ ग्रंथ सूची

1.	विद्यापति पदावली—	कुमुद विद्यालंकार, जयवंत झा, रीगल बुक डेपो, दिल्ली ।
2.	विद्यापति ठाकुर —	डॉ.उमेश मिश्र, हिंदुस्थान एकेडेमी, इलाहाबाद उ. प्र. ।
3.	रीतिकाव्य और विद्यापति—	डॉ.वीरेन्द्रकुमार बडसवाल, एस चांद एण्ड कम्पनी, दिल्ली । 1967
4.	विद्यापति पदावली के आकर स्त्रोत —	डॉ.प्रमोदकुमार सिंह, बिहार ग्रंथ कुटर प्रकाशन ।
5.	विद्यापति वैभव —	विश्वभर जुयाल, विनोद पुस्तक मंदीर, आग्रा 1964
6.	विद्यापति —	डॉ.शीवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1970
7.	कबीर — मीमांसा—	रामचंद्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2000
8.	कबीर —एक नई दृष्टि —	रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2002
9.	जायसी —एक अध्ययन —	डॉ.श्रीवास्तव रणधीर, भारतीय ग्रंथ निकेतन,दिल्ली । 1998
10.	भक्तिकाव्य और लोकजीवन —	डॉ.शिवप्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन दिल्ली । 2007
11.	सुरदास और उनका साहित्य —	डॉ.शर्मा मुन्शीलाल, भारतीय ग्रंथ निकेतन दिल्ली ।
12.	महाकवि सुरदास —	आ.नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन दिल्ली । 1998
13.	रामचिरितमानस —एक अध्ययन —	डॉ.मिश्र रामप्रसाद, भारतीय ग्रंथ निकेतन दिल्ली ।
14.	तुलसी का मानस —	डॉ.शर्मा मुन्शीलाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1995
15.	तुलसी रसायन —	डॉ.मिश्र भगीरथ साहित्य भवन प्रा.लि.इलाहाबाद, 1995

16.	रीतिकाव्य की भूमिका –	डॉ.नगेंद्र नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
17.	भूषण मंजूषा –	डॉ.मिश्र ब्रजकिशोर विश्वविद्‌यालय प्रकाशन वाराणसी ।
18.	भूषण –	डॉ.मिश्र विश्वनाथ प्रसाद, वितान प्रकाशन वाराणसी ।
19	प्राचीन तथा मध्यकालीन कवि तथा काव्य –	डॉ.हुकुमचंद राजपाल, हरियाणा साहित्य अकादमी ।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न 1.	बीस वस्तुनिष्ठ प्रश्न(पूरे पाठ्क्रम पर आधारित द्रुतपाठक्रम को छोडकर)	20
प्रश्न 2.	संसदर्भ व्याख्या (पाँच में से तीन) (महाकवि भूषण छोडकर)	15
प्रश्न 3.	आलोचनात्मक प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	15
प्रश्न 4.	आलोचनात्मक प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	15
प्रश्न 5.	आलोचनात्मक प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	15
प्रश्न 6.	लघूत्तरी प्रश्न (6 में से 4 सिर्फ द्रुत पाठ्यक्रम पर)	20
	कुल अंक –	100

एम. ए. भाग – 1

वैकल्पिक प्रश्नपत्र – 4

साहित्यिक वर्ग

(अ) विशेष रचनाकार – भारतेंदु हिरश्चंद्र

प्रस्तावना –

हिंदी के उन कालजयी रचनाकारों का विशेष अध्ययन करना आवश्यक है, जिन्होंने चिंतन और सर्जन के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान किया है और जिनका लेखन आज भी प्रासंगिक है।

✸ पाठ्यपुस्तकें –	
1.	वैदिकी हिंसा हिंसा न भवती
2.	भारत दुर्दशा
3.	चंद्रावली

4.	अंधेरनगरी
5.	प्रेम जोगिनी
6.	विषस्य विषमौषधम्
✸ द्रुतपाठ	
1.	चंद्रप्रभा (कथा)
2.	विनोदप्रेम (ग्रंथकाव्य)
3.	फूलों का गुच्छा (ग्रंथकाव्य)
4.	बादशहा दर्पण (जीवनी)
✸ संदर्भ ग्रंथ सूची	
1.	भारतेंदु के संपूर्ण नाटक – सं.डॉ.गोविंद चातक

प्रश्नपत्र का स्वरूप

प्रश्न 1.	बीस वस्तुनिष्ठ प्रश्न(पूरे पाठ्क्रम पर आधारित)	20
प्रश्न 2.	संसदर्भ व्याख्या (पाँच में से तीन) (पाठ्यक्रम में से निर्दिष्ट वैदिकी हिंसा हिंसा न भवती, भारत दुर्दशा, अंधेरनगरी पर)	30
प्रश्न 3.	सभी पाठ्यपुस्तकोंपर आलोचनात्मक प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	15
प्रश्न 4.	सभी पाठ्यपुस्तकोंपर आलोचनात्मक प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	15
प्रश्न 5.	लघूत्तरी प्रश्न (6 में से 4) (द्रुत पाठ्य पर)	20
	कुल अंक –	100

एम. ए. भाग – 1

वैकल्पिक प्रश्नपत्र – 4

साहित्यिक वर्ग

कुल अंक –100

(आ) विशेष रचनाकार – मोहनदास नैमेशराय

✸ पाठ्यपुस्तकें –	
1.	आग और आंदोलन
2.	मुक्तिपर्व

3.	आज बाजार बंद है
4.	अपनें–अपनें पिंजरे (भाग– 1,2,)
5.	हमारा जवाब
✸ द्रुतपाठ	
1.	सफदर एक बयान (कविता संग्रह)
2.	वीरांगणा झलकारी बाई (उपन्यास)
3.	अदालत नामा (नाटक)
4.	आवाजें (कहानी संग्रह)
✸ संदर्भ ग्रंथ सूची	
1.	भारतीय दलित साहित्य : सं.पुन्नीलाल, कमलाप्रसाद, राजेंद्र शर्मा
2.	दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र– शरणकुमार लिंबाले
3.	हिंदी और मराठी का दलित साहित्य : एक मुल्यांकन – डॉ.सुनीता साखरे
4.	हिंदी साहित्य में दलित अस्मिता – डॉ.कालीचरण स्नेही
5.	दलित आत्मालोचन की प्रक्रिया – डॉ.धर्मवीर
6.	दलित चेतना और समकालीन हिंदी उपन्यास – डॉ.मुन्ना तिवारी

प्रश्नपत्र का स्वरूप

प्रश्न 1.	बीस वस्तुनिष्ठ प्रश्न(पूरे पाठ्क्रम पर आधारित)	20
प्रश्न 2.	संसदर्भ व्याख्या (पाँच में से तीन) (पाठ्यक्रम में से निर्दिष्ट मुक्तिपर्व, आज बाजार बंद है, और अपने–अपने पिंजरे पर)	30
प्रश्न 3.	आलोचनात्मक प्रश्न : अंतर्गत विकल्प के साथ (सभी पाठ्यपुस्तकोंपर)	15
प्रश्न 4.	आलोचनात्मक प्रश्न : अंतर्गत विकल्प के साथ (सभी पाठ्यपुस्तकोंपर)	15
प्रश्न 5.	लघूत्तरी प्रश्न (6 में से 4) (द्रुत पाठ्य पर)	20
	कुल अंक –	100

पेपर क्रमांक - 3

(प्रयोजनमूलक हिंदी)

(परिशिष्ट) शब्दावली और वाक्यांश

(अ) शब्दावली :

1.	Abbreviation	-	संक्षेप / संक्षेपण
2.	Abnormal	-	अपसामान्य
3.	Abstract	-	1. सार, 2. संक्षिप्ति (विधि)
4.	Academic	-	शैक्षणिक / विद्या-संबंधी
5.	Academy	-	अकादमी
6.	Accommodation	-	1. वास, 2. निर्वाह
7.	Accuse	-	अभियोग लगाना
8.	Acquire	-	अर्जन करना
9.	Adjourn	-	स्थगित करनाा/काम रोकना
10.	Admission	-	1. अभिस्वीकृति, 2. प्रवेश/दाखिल/अंतर
11.	Allegation	-	आरोप / अभिकथन
12.	Animal Husbandry	-	पशुपालन
13.	Archaeology	-	1. पुरातत्व, 2. पुरातत्व विज्ञान
14.	Art Executive	-	कला प्रबंधक
15.	Backward Classes	-	पिछडे वर्ग
16.	Ballot	-	1. मतपत्र/मतपर्ची, 2. मतदान
17.	Bibliography	-	संदर्भ ग्रंथ-सूची
18.	Bye-law	-	उपविधि
19.	Calculation	-	गणना/गिनती/परिकलन
20.	Census Officer	-	जनगणना अधिकारी
21.	Cultural Relations Officer	-	संस्कृतिक संपर्क अधिकारी
22.	Custom	-	सीमाशुल्क
23.	Debenture-holder	-	ऋणपत्रधारी/डिबेंचरधारक
24.	Deduction	-	कटौती / घटाना
25.	Default	-	1. त्रुटी/चूक/व्यतिक्रम 2. बकाया
26.	Department of Rehabilitattion	-	पुनर्वास विभाग
27.	Department of Transport, Shiping and Tourism	-	परिवहन,पोतपरिवहन और पर्यटन विभाग
28.	Deputation	-	1. प्रतिनियुक्ति, 2. शिष्ट-मंडल
29.	Destination	-	गंतव्य / लक्ष्य
30.	Detect	-	1. पता लगाना, 2. पकडना
31.	Dignity	-	गौरव /मर्यादा /गरिमा
32.	Direction and Control	-	निर्देशन और नियंत्रण
33.	Directorate General	-	महानिर्देशक
34.	Directors	-	निर्देशिका
35.	Disposal	-	1. निपटान/निवर्तन, 2. व्ययन
36.	Division Bench	-	खंड - (न्याय) पीठ

37. Duration - अवधि
38. Efficiency - दक्षता / कार्य-पटुता
39. Embezzlement - गबन
40. Encroachment - अधिक्रमण
41. Entitled - हकदार
42. Entomologist - कीटविज्ञानी / कीटज्ञ
43. Enumeration - गणना / गिनना
44. Extraordinary - असाधारण
45. Epidemic - महामारी
46. Estates Duty Officer - संपदा शुल्क अधिकारी
47. Estimate Officer - प्राक्कलन अधिकारी
48. Evaluation - मूल्यांकन
49. Excess - अति/अधिकता/ज्यादती
50. Excise - उत्पादन शुल्क, 2. अबकारी
51. Exclude - वर्जित करना/निकालना/अपवर्जन
52. Exempt - विमुक्त करना/छूट देनाा/माफी देना
53. Expansion - विस्तार/प्रसार/प्रसरण
54. Ex-President - 1. भूतपर्व राष्ट्रपति, 2. भूतपूर्व अध्यक्ष
55. External Affairs Ministry - विदेश मंत्रालय
56. Extra-Curricular - पाठ्येतर/पढाई के अतिरिक्त
57. Extract - उद्धरण
58. Fabricate - 1. गढना, 2. निर्माण करना
59. Fair Price - उचित मूल्य/उचित भाव
60. Family Planning Centre - परिवार नियोजन केंद्र
61. Faulty - दोषपूर्ण/सदोष
62. Fellowship - अध्येतावृत्ति
63. Fieldman (Horticulture) - क्षेत्रक (बागबानी)
64. Financial - वित्तीय/वित्तसंबंधी/वित्त
65. Financial Legislation - वित्त विधान
66. Finger Print Examiner - अंगुली-छाप परीक्षक
67. Flight - उडान
68. Flood Investigation Division - बाढ-अन्वेषण-प्रभाग
69. Floriculturist - पुष्पाविज्ञानी
70. Frequency - आवृत्ति/बारंबारता
71. Fundamental - मूल/मौलिक/आधारभूत
72. Further Action - आगे की कार्यवाही/अगली कार्यवाही
73. Gallantry award - शौर्य पुरस्कार
74. Governing body - शासी निकाय
75. Gradation list - पदक्रम सूची
76. Grant Maintenance - अनुरक्षण अनुदान/ भरण-पोषण- अनुदान

77. Gross Value - कुल मूल्य / सकल मूल्य
78. Guidance - मार्गदर्शन/ निर्देशन
79. Gunner - तोपची
80. Halting allowance - विराम भत्ता
81. Handicraft - दस्तकारी/हस्तकला/हस्तशि:
82. handling Charges - चढाई-उतराई खर्च
83. Handloom - हाथ करघा
84. Head Dispatcher - प्रधान प्रेषक
85. Heavy Industry - भारी उद्योग
86. Heloninthiasist - कृमिरोग विज्ञानी
87. His Majesty - महामहिम
88. His Excellency - परम श्रेष्ठ
89. Honorary - अवैतनिक
90. Honorarium - मानदेय
91. Horticulturist - उद्यान-कृषि विशेषज्ञ
92. House of People - लोकसभा
93. House of Correction - सुधार गृह (बंदीगृह)
94. Hydraulic Research Station - जलीय अनुसंधान केंद्र
95. Identification - पहचान / शिनाख्त
96. Illegal - अवैध
97. Illegible - अपाठ्य
98. Illicit - निषिद्ध
99. Implement - कार्यान्वित करना / अमल में लाना/ परिपालन करना
100. Impose - अधिरोपित करना
101. Inability - अयोग्यता
102. In Camera - गुप्त बैठक
103. Indent - माँग पत्र
104. Indian Administrative Service - भारतीय प्रशासन सेवा
105. Indian Police Service - भारतीय पुलिस सेवा
106. Inefficiency - अदक्षता
107. Infection - संक्रमण
108. Instalment - किस्त
109. Inter Departmental - अंतरविभागीय
110. Investigator - अन्वेषक
111. Joining date - कार्यग्रहण तारीख/ कार्यारंभ तारीख
112. Journal - 1. दैनिकी/रोजनामचा 2. पत्रिका
113. Jurisdiction - अधिकार क्षेत्र/क्षेत्राधिकार / अधिकारिता
114. Kindergarten teacher - बालवाडी शिक्षक
115. Labour welfare - श्रम कल्याण / श्रमिक कल्याण

116. Last Pay Certificate	-	अंतिम वेतन पत्र
117. Legislative Assembly		विधान सभा
118. Legislative council	-	विधान परिषद
119. Livestock Development Adviser	-	पशुधन विकास सलाहकार
120. Log book	-	कार्य-पंजी
121. Machine tool	-	उपयंत्र
122. Manifesto	-	घोषणा पत्र
123. Manual Labour	-	शारीरिक श्रम
124. Mayor	-	महापौर
125. Meteorologist	-	मौसम विज्ञानी
126. Micro-biologist	-	सूक्ष्मजीव-विज्ञानी
127. Minimum wages	-	कम से कम मजदूरी
128. Mode of dispatch	-	प्रेषण-प्रकार
129. Mortuary	-	शवागार
130. Nationalization	-	राष्ट्रीयकरण
131. Negotiate	-	बातचीत करना/परक्रामण करना
132. Nominee	-	जामिती/मनोजीत व्यक्ति/ नामित व्यक्ति
133. Official version	-	सरकारी कथन / अधिकारिक कथन
134. Ophthalmologist	-	नेत्र विज्ञानी
135. Partition	-	विभाजन / बॅटवारा
136. Partnership deed	-	साझा-पत्र/भागिता विलेख
137. Postmortem	-	शवपरीक्षा
138. Preface	-	प्रस्तावना
139. Proceedings	-	कार्यवाही
140. Quality control officer	-	गुणता-नियंत्रण-अधिकारी
141. Quotation	-	1. भाव/दर, 2. उद्धरण
142. Rebate	-	घटौती / छूट
143. Sale-account	-	विक्रय लेखा/ विक्री-लेखा
144. Senate	-	वरिष्ठ सभा
145. Show Cause notice	-	हेतुक दर्शिक करने के लिए सूचना/कारण निदेशन नोटिस /कारण बताओ नोटिस
146. Statute	-	कानून / संविधि
147. Tentative	-	अस्थायी / परीक्षात्मक
148. Ultimate	-	अंतिम/चरण
149. Undervaluation	-	अल्पमूल्यांकन
150. Write off	-	बट्ट खाते डालना